हरिभूमि
कांकेर भूमि
रायपुर, गुरुवार 1 जनवरी 2026

तापमान

अधिकतम 27.0 डिग्री

न्यूनतम 13.0 डिग्री

06 परतापुर से कोयलीबेड़ा मार्ग पर पेड़ गिरने...

06 सरकार की अनदेखी से तीन दिनों तक कलम बंद...

खबर संक्षेप

पांच दिव्यांगजनों का किया गया सम्मान

कांकेर। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कांवड़िया एवं कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने बताया कि दिव्यांगजनों को ऋण प्रदान करने के पहले व्यवस्थित ढंग से प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण केन्द्र खोला जाएगा, केवल ऋण देना उद्देश्य नही बल्कि दिव्यांगजनों के सामग्री को विक्रय की व्यवस्था भी की जाएगी। पांच दिव्यांग हितग्राहियों का सम्मान किया गया जिन्होने ऋण को चुका दिया है इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा कि पुराने ऋण चुकाने पर ही नए हितग्राहियों को ऋण सुविधा का लाभ मिलेगा।

अधेड़ की मौत, कारण अज्ञात, विवेचना जारी

कांकेर। कांकेर थानांतर्गत मुरडोंगरी नदी के किनारे 30 दिसंबर को मुरडोंगरी निवासी 42 वर्षीय रविशंकर कुंजाम पिता मोहन का शव मिला। मृतक की मौत कैसे हुई यह अभी स्पष्ट नही हो पाया है। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कायम कर मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान, कारण अज्ञात

कांकेर। अंतागढ़ थानांतर्गत देहारीपारा अंतागढ़ निवासी 28 वर्षीय अनिता गुप्ता पति राहुल गुप्ता ने 20 दिसंबर को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

22 जनवरी तक कर सकते हैं दावा आपत्ति

कांकेर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। निर्वाचक नामावलियों का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसम्बर को किया गया और 22 जनवरी तक दावा-आपत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी है। अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र में फॉर्म-9 के अंतर्गत 83, फॉर्म-11 के अंतर्गत 37 तथा फॉर्म-11 ए के अंतर्गत 01 दावा-आपत्ति प्राप्त हुई। भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में फॉर्म-9 के 21, फॉर्म-11 के 27, फॉर्म-11 ए के 1 तथा फॉर्म-11 बी के 01 आवेदन प्राप्त हुए। कांकेर विधानसभा क्षेत्र में फॉर्म-9 के 15, फॉर्म-10 के 2, फॉर्म-11 के 19 तथा फॉर्म-11 ए का 01 आवेदन दर्ज किए गए।

बयानार में आज माता पहुँचानी

भानुप्रतापपुर। नववर्ष के शुभ अवसर पर 1 जनवरी गुरुवार को ग्राम बयानार में माता पहुँचानी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ग्राम के गायता-पुजारी, देवी-देवता एवं ग्राम की महिला-पुरुषों की उपस्थिति में जिमीदारीन माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। पूजा उपरांत बारात के साथ माता की विदाई की परंपरा निभाई जाएगी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 4 जनवरी रविवार को ग्राम बयनार में दो दिवसीय देव मड़ई का भव्य आयोजन होगा। देव मड़ई के दौरान रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में शिवभोला नाचा पार्टी, ग्राम करमतरा (जालबांधा) जिला खैरागढ़ की विशेष प्रस्तुति होगी। यह जानकारी ग्राम पटेल राम साय कोरेटी, रतन सिंह कोरेटी, घनश्याम कोरेटी एवं पूर्व वार्ड पंच सुखीराम डरो द्वारा दी गई।

साल के अंतिम दिन न मदिरा छलके न डीजे बजे तिरिया में

जगदलपुर। माचकोट, तिरिया वन क्षेत्र में वन ग्राम तिरिया में शबरी नदी के किनारे युवाओं ने बम्बू राफ्टिंग शुरू किया है।

समस्या : विधायक विक्रम उसेंडी की सख्त चेतावनी, बारिश के पहले करें पूरा

कोयलीबेड़ा मेढ़की नदी पुल साढ़े तीन साल बाद भी अधूरा, ग्रामीण हैं मायूस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

- पुल के लिए साढ़े दस करोड़ सीआरआईडीसीएल से मिली थी स्वीकृति

जिले के अंदरूनी और दुर्गम इलाकों को राहत देने के उद्देश्य से कोयलीबेड़ा क्षेत्र में मेढ़की नदी पर प्रस्तावित पुल निर्माण कार्य बीते साढ़े तीन वर्षों बाद भी पूरा नहीं हो सका है। वर्ष 2022 में स्वीकृत यह पुल आज तक बनकर तैयार नहीं हो पाया, जिससे क्षेत्रवासियों में भारी निराशा और आक्रोश व्याप्त है। समयसीमा का उल्लंघन होने पर ठेकेदार पर पैनल्टी भी लगाई गई, लेकिन इसके बावजूद कार्य की रफ्तार संतोषजनक नहीं रही। अब विधायक विक्रम उसेंडी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि बारिश के पहले पुल चालू नहीं हुआ, तो ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने के लिए सरकार को पत्र लिखा जाएगा। जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, जो कि छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम है, के माध्यम से कोयलीबेड़ा से ढूटा मार्ग पर मेढ़की नदी में करीब साढ़े 10 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण को वर्ष 2022 में स्वीकृति दी गई थी। तकनीकी स्वीकृति के बाद निविदा प्रक्रिया पूरी की गई और 2 जून 2022 को ठेकेदार रंजन सिंह को कार्यादेश जारी किया गया। अनुबंध के अनुसार ठेकेदार को यह कार्य 2 सितंबर 2023 तक पूरा करना था, यानी सवा साल में पुल बनकर तैयार हो जाना चाहिए था। लेकिन निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के करीब दो साल बाद भी पुल का निर्माण कार्य अधूरा है। पुल निर्माण कार्य शुरू होने पर क्षेत्रवासियों में काफी उत्साह देखा गया था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि इस पुल के बन जाने से कोयलीबेड़ा और आसपास के दर्जनों गांवों का संपर्क सुगम हो जाएगा, खासकर बरसात के दिनों में नदी पार करने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी। लेकिन कार्य की धीमी प्रगति और बार-बार ▶▶ शेष पेज 04 पर

ठेकेदार ने दी सफाई, छः माह में पूरा हो जाएगा

ठेकेदार रंजन सिंह ने पुल निर्माण में देरी को लेकर अपनी सफाई दी है। उनका कहना है कि कार्यादेश मिलने के समय बारिश का मौसम था और नदी में पानी होने के कारण ट्रायल बोरिंग नहीं हो सकी। यह प्रक्रिया जनवरी 2024 में पूरी हो पाई, जिससे करीब पांच महीने का समय बर्बाद हो गया। इसके बाद एक-दो बार नक्सलियों द्वारा कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया गया, जिससे काम प्रभावित हुआ। ठेकेदार ने यह भी आरोप लगाया कि शासन द्वारा समय पर भुगतान नहीं किए जाने के कारण कार्य कुछ समय के लिए रुक गया था। अब भुगतान हो चुका है और कार्य पुनः शुरू कर दिया गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनका लक्ष्य बारिश के पहले पुल निर्माण कार्य को पूरा करना है।

विधायक ने बारिश के बनने के पहले दिया अल्टीमेटम

विधायक बनने के बाद विक्रम उसेंडी ने इस पुल निर्माण को प्राथमिकता में लिया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को तलब कर प्रगति की समीक्षा की और ठेकेदार की समस्याओं को लेकर उच्च अधिकारियों से भी संवाद किया। विधायक का कहना है कि उनकी लगातार मॉनिटरिंग का ही परिणाम है कि अब कार्य में कुछ गति आने की संभावना बनी है। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि बारिश के पहले पुल चालू नहीं हुआ, तो ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और इसके लिए सरकार को पत्र लिखेंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को उम्रकैद की सजा, कांकेर न्यायालय का फैसला

कांकेर। जिले के फास्ट ट्रैक कोर्ट ने नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश विभा पांडेय की अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी दीपक दास महंत को दोषी करार दिया। मामले के अनुसार जून 2024 में पीड़िता के पिता ने कांकेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 363 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस की खोजबीन के दौरान पीड़िता को जांजगीर-चांपा निवासी आरोपी दीपक दास महंत पिता उत्तम दास महंत के चंगुल से बरामद किया गया। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी नाबालिग को शादी का प्रलोभन देकर रायगढ़ ले गया था, जहाँ उसने पीड़िता की इच्छा के विरुद्ध उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस ने पीड़िता के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मामले में धारा 366, 376 और पॉक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ीं। अभियोजन पक्ष की ओर से शासकीय अधिवक्ता ईश्वर लाल साहू ने प्रभावी पैरवी की, उन्होने बताया कि न्यायालय में कुल 14 गवाहों के बयान दर्ज किए गए और एफएसएल रिपोर्ट के जरिए अपराध की पुष्टि हुई। सभी पक्षों को सुनने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश ने धारा 376 (3) भादवि में 20 वर्ष का कठोर कारावास और 500 रूपएं अर्थदंड, धारा 6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का कठोर कारावास और 500 रूपएं अर्थदंड, धारा 363 भादवि (अपहरण) में 3 वर्ष का कठोर कारावास और 200 रूपएं अर्थदंड, धारा 366 भादवि में 3 वर्ष का कठोर कारावास और 200 रूपएं अर्थदंड की सजा सुनाई। अदालत ने आदेश दिया है कि आरोपी की सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। इस फैसले को महिला एवं बाल सुरक्षा की दिशा में एक कड़ा संदेश माना जाएगा।

पखांजूर आवासपारा के दो मतांतरित परिवार 3 साल बाद लौटे मूलधर्म में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पखांजुर

नगर पंचायत पखांजूर के वार्ड क्रमांक 3 एवं 4 अंतर्गत आवासपारा में 31 दिसंबर को दो मतांतरित परिवारों ने विधिवत रूप से अपने मूल धर्म में वापसी की। घर वापसी के अवसर पर संबंधित परिवारों को भगवा गमछा पहनाकर तथा नारियल भेंट कर सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ शामिल कराया गया। जानकारी के अनुसार मूल धर्म में वापिस होने वाले दोनों परिवारों ने तीन वर्ष पूर्व पारिवारिक एवं मानसिक दबाव के चलते अन्य धर्म अपनाया था, लेकिन समाज के लोगों द्वारा लगातार समझाइश दिए जाने के बाद उन्होंने घर वापसी का निर्णय लिया। बताया गया कि आवासपारा क्षेत्र में कुल 12 परिवारों द्वारा धर्म परिवर्तन किए जाने की जानकारी सामने आई है, जिसके बाद उनकी घर वापसी को लेकर प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इसी कड़ी में ग्राम पटेल अषाढू राम के नेतृत्व में पारा के ग्रामीणों द्वारा एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी 12 मतांतरित परिवारों को आमंत्रित किया गया। बैठक के दौरान उन्हें अपने मूल धर्म में लौटने के लिए समझाया गया, जिसके पश्चात मौके पर ही दो परिवारों ने घर वापसी की सहमति दे दी। घर वापसी करने वालों में पूर्व जिला पंचायत सदस्य शंकर रजक तथा बुधारूराम भटपहरे अपनी पत्नी किरण भटपहरे सहित शामिल हैं। दोनों परिवारों ने बताया कि उस समय वे पारिवारिक कारणों से मानसिक रूप से परेशान थे, जिसके चलते उन्होंने धर्म परिवर्तन किया था। वर्तमान परिस्थितियों और समाज के सहयोग को देखते हुए उन्होंने पुनः अपने मूल धर्म में लौटने का फैसला किया है।

आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय भी लिया कि जो परिवार मूल धर्म छोड़कर अन्य धर्म में मतांतरित रहेंगे, उन्हें पारा स्तर पर मिलने वाली सामुदायिक सुविधाओं से वंचित ▶▶ शेष पेज 04 पर

राष्ट्रीय राजमार्ग 30 चारामा के पास की मरम्मत 10 दिन भी नहीं टिकी

विभाग के अफसरों ने मानी गलती, जल्द ठीक करने दिया आश्वासन

चारामा। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर महज 10 से 12 दिन पहले गड्ढो को भरकर सड़क मरम्मत किया गया था, परंतु डामर की गुणवत्ता सही नहीं होने के कारण डामर व गिट्टी सड़क अब उखड़कर जगह-जगह बिखर गई है और लोगों के लिए हादसों का कारण बनती जा रही है। विभाग की इस तरह की कार्यशैली को लेकर क्षेत्रवासियों में नाराजगी देखने को मिली। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर ग्राम मचान्दुर से लेकर चारामा तक लोक निर्माण विभाग द्वारा गड्ढो को भरने का कार्य किया गया था, लेकिन मरम्मत कार्य में अत्यंत घटिया और गुणवत्ताहीन सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके चलते 10 से 12 दिनों ही डामर और कंक्रीट उखड़कर सड़क पर फैल गई। स्थिति यह है कि पुरानी सड़क और मरम्मत के लिए बिछाई गई नई डामर सड़क के बीच जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। तेज गति से चलने वाले दोपहिया वाहन इन गड्ढो में अनियंत्रित हो रहे हैं। सड़क किनारे पड़े कंक्रीट के टुकड़ों के कारण भी वाहनों का संतुलन बिगड़ रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी हुई है। चारामा नगर में बैंक ऑफ बड़ौदा के पास भी इसी प्रकार मरम्मत कार्य किया गया था। जब सड़क उखड़ने को लेकर विभाग के इंजीनियर से सवाल किया गया तो उन्होंने सफाई देते हुए बताया कि डामर और कंक्रीट बिछाने के दौरान रोलर मशीन खराब हो जाने के कारण सामग्री पर सही ढंग से रोलर नहीं चल पाया, जिससे सड़क उखड़ गई। उसे दुबारा ठीक करवाया जाएगा।

हड़ताल के समापन पर संघ ने शहर में निकाली रैली एवं किया शक्ति प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

तीन दिनों से हड़ताल पर बैठे अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन एवं कर्मचारी संघ ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल के अंतिम दिन रैली निकाली। ज्ञापन लेने के लिए नायब तहसीलदार उपस्थित थे, परंतु संघ ने दूसरे अधिकारी को ज्ञापन देने की बात कही, तब एसडीएम अरूण वर्मा पहुँचे और ज्ञापन लिया।

हड़ताल के अंतिम दिन अधिकारी एवं कर्मचारियों की रैली की शुरुआत निर्धारित स्थल से हुई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए कलेक्ट्रेट मार्ग पर पहुंची। इस दौरान कर्मचारियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर अपनी मांगों को सार्वजनिक रूप से रखा। रैली में शामिल कर्मचारियों का कहना था कि लंबे समय से उनकी जायज मांगें लंबित हैं, लेकिन बार-बार ज्ञापन देने और वार्ता के बावजूद शासन-प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। कर्मचारी फेडरेशन और कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि उनकी 11 सूत्रीय मांगों में केंद्र सरकार के समान कर्मचारियों एवं पेंशनरों को देश निधि से महंगाई भत्ता (डीए) लागू किया जाए, डीए एरियर्स की राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में समायोजित किया जाए, सभी कर्मचारियों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान दिया जाए, लिपिको, शिक्षकों, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग सहित विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियों को दूर करने पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाए, प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए संपूर्ण सेवा लाभ दिया जाए, पंचायत ▶▶ शेष पेज 04 पर

जिले में 2.34 मीटरिक टन धान बेचा गया

मोटा धान तथा 2 हजार 073 मेट्रिक टन पतला और 129 मेट्रिक टन सरना वैरायटी का धान सम्मिलित है। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार धान के परिवहन, भण्डारण तथा विक्रय की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए 13 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं।

कांकेर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत जिले के सभी 149 उपार्जन केंद्रों तथा 70 सहकारी समितियों में किसानों के द्वारा धान बेचा जा रहा है। खाद्य शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में अब तक कुल 2 लाख 34 हजार 477 मेट्रिक टन धान किसानों द्वारा बेचा जा चुका है। इसमें 2 लाख 32 हजार 274 मेट्रिक टन

किसानों की समस्या पर कांग्रेस ने किया सत्याग्रह राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पखांजूर

क्षेत्र के किसानों की ज्वलंत समस्याओं और धान खरीदी में आ रही बाधाओं को लेकर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष कमेटी इंद्रजीत विश्वास के नेतृत्व में एक दिवसीय किसान सत्याग्रह और उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और किसान नेताओं ने महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में मुख्य मांगें, जिसमें परलकोट क्षेत्र के हजारों किसानों का पंजीकरण न होने के कारण वे धान बेचने से वंचित हो रहे हैं। मांग की गई है कि ऐसे किसानों को चिह्नित कर तत्काल पंजीकरण प्रक्रिया पूरी की जाए। खरीदी केंद्रों में सुखती के नाम पर किसानों से प्रति क्विंटल 5 किलो धान की जबरन वसूली का आरोप लगाया गया है। इसे तत्काल रोकने की मांग की गई है। धान खरीदी में हुए कथित 50 करोड़ रुपए से अधिक के सुखती घोटाले की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग दोहराई गई है। खरीदी केंद्रों में बफर लिमिट पार होने के बावजूद धान का उठाव परिवहन शुरू नहीं हुआ है। समय पर उठाव न होने से खरीदी बंद होने की आशंका जताई गई है। मांग की गई है कि धान खरीदी की लिमिट बढ़ाई जाए ताकि नियत तिथि तक सभी किसान अपनी फसल बेच सकें। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया है कि यदि किसानों की इन मांगों को तत्काल पूरा नहीं किया गया, तो आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करने के लिए मजबूर होगी। इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ता रूपसिंह पोटाई, सुभद्रा सलाम, सुप्रकाश मल्लिक, अमर मंडल, सिद्धार्थ बढ़ई, ▶▶ शेष पेज 04 पर

अपराध नियंत्रण को लेकर अब दुकानदार दुकानों में लगाएंगे सीसीटीवी

ढाबा संचालकों व कबाड़ व्यावसायियों को थाने में किया तलब, नियम पालन की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

नववर्ष के आगमन से पहले जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में कांकेर पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण, अपराधों की रोकथाम और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने ढाबा संचालकों और कबाड़ व्यवसायियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। यह पहल जिले में शांति, सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

नव वर्ष के पूर्व जिला कांकेर में नवागत पुलिस अधीक्षक श्री निखिल राखेचा के निर्देशन में पुलिस प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए थाना कोतवाली कांकेर क्षेत्र में संचालित ढाबा संचालकों एवं कबाड़ व्यवसायियों को थाना तलब किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भानुप्रतापपुर आईपीएस आकाश श्रीमाल, एएसपी कांकेर दिनेश सिन्हा, एसडीओपी मोहसिन खान तथा थाना प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभी व्यवसायियों को पुलिस की ओर से सख्त हिदायत दी गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी ढाबे में अवैध रूप से शराब न रखी जाए और न ही किसी व्यक्ति को शराब सेवन की अनुमति दी जाए। इसके साथ ही कबाड़ व्यवसायियों को चोरी का माल न खरीदने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामलों में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि उक्त निर्देशों के संबंध में किसी प्रकार ▶▶ शेष पेज 04 पर

सीसीटीवी कैमरा लगाने दिए निर्देश

अफसरों ने सभी ढाबा संचालकों और कबाड़ व्यवसायियों को अपने-अपने ढाबों एवं दुकानों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए गए। सीसीटीवी कैमरों से न केवल अपराधों पर अंकुश लगेगा, बल्कि किसी भी आपराधिक घटना की जांच में भी सहायता मिलेगी। बैठक में मौजूद सभी व्यवसायियों ने पुलिस को सहयोग का आश्वासन देते हुए शीघ्र ही सीसीटीवी कैमरे लगाने की सहमति जताई।

खबर संक्षेप

एसआईआर के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया जारी

कोण्डागांव। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ईआरओ कोंडागांव अजय उरांव द्वारा मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय कोंडागांव में राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 83– कोण्डागांव के अंतर्गत कुल 269 मतदान केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को विनिर्दिष्ट स्थानों पर किया गया है। इसके तहत 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक मतदाताओं से दावा एवं आपत्तियां ली जा रही हैं। ईआरओ ने जानकारी दी कि इस अवधि में नो मैपिंग से संबंधित 1767 नोटिस जनरेट किए गए हैं, जिन्हें तामिली हेतु संबंधित बीएलओ को भेजा गया है। कोण्डागांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नो मैपिंग प्रकरणों की सुनवाई 5 जनवरी 2026 से प्रारंभ होगी। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को फार्म 6, 7 एवं 8 की जानकारी दी गई, साथ ही फार्म 9, 10, 11, 11ए एवं 11बी के प्रारूप भी उपलब्ध कराए गए। प्रतिनिधियों को मतदाता सूची का पुनः अवलोकन कर आवश्यक दावा–आपत्ति प्रस्तुत करने का सुझाव भी दिया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सुश्री रश्मि पोया, नायब तहसीलदार नरेंद्र सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विशेष ग्राम-सभाओं में नए कानून के प्रावधानों पर हुई विस्तृत चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

ग्रामीणों को मिली विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण अधिनियम की जानकारी

कोंडागांव विकासखंड के ग्राम पंचायत बयानार में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण अधिनियम 2025 के संबंध में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। राज्य सरकार के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई के मार्गदर्शन में आयोजित इन सभाओं में ग्रामीणों को नए अधिनियम के प्रावधानों, लाभों एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि यह नया कानून मनरेगा का स्थान लेगा, जिसके अंतर्गत अब ग्रामीण परिवारों को 100 दिन के बजाय 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को अधिक रोजगार अवसर देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

जल संरक्षण एवं आजीविका से जुड़े कार्यों को बढ़ावा

विशेष ग्राम सभाओं में जानकारी दी गई कि अधिनियम के तहत जल संरक्षण, भू–जल पुनर्भरण, वाटरशेड विकास, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, वनीकरण, पारंपरिक जल स्रोतों के जीर्णोद्धार एवं डबरी निर्माण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे आजीविका में सुधार के साथ–साथ ग्रामीण अवसंरचना भी मजबूत होगी।

समय पर मजदूरी भुगतान और बेरोजगारी भत्ता का प्रावधान : अधिनियम में श्रमिकों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके तहत सात दिवस के भीतर मजदूरी भुगतान की गारंटी तथा समय पर कार्य उपलब्ध न होने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान भी शामिल है।

डिजिटल प्रणाली से पारदर्शिता और जवाबदेही

कार्यक्रम में बताया गया कि योजना के क्रियान्वयन में डिजिटलाइजेशन और आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। अधिनियम के अंतर्गत श्रमिकों को सात दिवस के भीतर मजदूरी भुगतान की गारंटी दी गई है। साथ ही निर्धारित समय में काम उपलब्ध नहीं होने पर बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान रखा गया है।

केंद्र-राज्य की संयुक्त वित्तीय व्यवस्था

यह योजना केंद्र प्रायोजित है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की हिस्सेदारी 60:40 के अनुपात में होगी। ग्राम सभाओं के दौरान ग्रामीणों को कौशल विकास और आजीविका के नए अवसरों के प्रति भी जागरूक किया गया।

मांग : तीन दिवसीय हड़ताल को बताया- जायज संघर्ष

छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन की मांगों को सीपीआई का समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

छत्तीसगढ़ कर्मचारी–अधिकारी फेडरेशन की 11 सूत्रीय मांगों को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया सीपीआई ने खुला समर्थन देते हुए आंदोलन स्थल पर पहुंचकर मंच से केंद्र एवं राज्य सरकार से मांगों को शीघ्र पूरा करने की अपील की।

- 120 संगठनों की एकजुटता सरकार को झुकाने के लिए पर्याप्त : तिलक

सी पी आ ई जिला परिषद कोण्डागांव के राज्य सचिव मंडल सदस्य कामरेड तिलक, जिला सचिव कामरेड शैलेश, सहायक सचिव कामरेड दिनेश, अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के अध्यक्ष कामरेड मुकेश, सदस्य कामरेड रामचंद, सोनसिंह एवं लक्ष्मण 30 दिसंबर को चौपाटी मैदान में चल रहे तीन दिवसीय हड़ताल, आंदोलन स्थल पर पहुंचे। मंच से संबोधित करते हुए कामरेड तिलक ने आंदोलनरत कर्मचारियों–अधिकारियों का लाल सलाम से स्वागत करते हुए कहा कि पूरे छत्तीसगढ़ में लगभग 120 संगठनों से जुड़े कर्मचारी–अधिकारी एक मंच पर एकजुट होकर संघर्ष कर रहे हैं, जो सरकार को झुकाने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने सभी आंदोलनकारियों से एकजुट रहकर अपनी मांगों पर डटे रहने का आह्वान किया।

सरकार की उदासीनता से बाधित हुए शासकीय कार्य

सीपीआई नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार के उदासीन रवैये के कारण कर्मचारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। तीन दिवसीय आंदोलन से शासकीय कार्य प्रभावित हुए हैं और आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की है।

मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाएगी सीपीआई

सीपीआई ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने फेडरेशन की 11 सूत्रीय जायज मांगों को जल्द पूरा नहीं किया और आंदोलन अनिश्चितकालीन हुआ, तो सीपीआई पूरी मजबूती से कर्मचारी–अधिकारी फेडरेशन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन में शामिल होगी।

भाजयुमो ने कोण्डागांव में फूंका पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

भारतीय जनता युवा मोर्चा भाजयुमो कोण्डागांव द्वारा शनिवार को जिला मुख्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला दहन किया गया। इस दौरान भाजयुमो नेताओं ने कांग्रेस पार्टी पर सनातन धर्म एवं साधु–संतों के अपमान का आरोप लगाते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

- कांग्रेस नेताओं पर सनातन धर्म विरोध का लगाया आरोप

भाजयुमो जिलाध्यक्ष नागेश देवांगन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कई कांग्रेस नेता लगातार सनातन धर्म के खिलाफ बयान दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा और पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के विरुद्ध दिए गए बयान कांग्रेस की सनातन विरोधी मानसिकता को उजागर करते हैं। नागेश देवांगन ने कहा कि रामसेतु को काल्पनिक बताना, भगवान श्रीराम को काल्पनिक कहना तथा राम मंदिर निर्माण के बाद आमंत्रण मिलने के बावजूद गांधी परिवार का दर्शन न करना, कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पं. प्रदीप मिश्रा के प्रवचनों से गांव–गांव में शिवभक्ति का वातावरण बना है, वहीं पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री सनातन धर्म को जागृत करने का कार्य कर रहे हैं।

सनातन विरोध से कांग्रेस का हो रहा पतन

भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि धर्मांतरण को संरक्षण देने वाले लोगों को सनातन धर्म एवं संतों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने सनातन विरोधी रवैये के कारण अब कुछ राज्यों तक सिमट गई है और आने वाले समय में पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

ये रहे उपस्थित

पुतला दहन कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी, मनोज जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलवंत सिंह चहल, विकास दुआ, अश्वनी पांडे, बंटी नाग, रौनक पटेल, शीतल पटेल, सोनमणि, संतोष सिंह, सखाराम कोर्राम, सुमन शुक्ला, सोनसिंह, सती बघेल सहित भाजपा एवं भाजयुमो के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी. ने किया कोंडागांव जिले का वार्षिक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी. द्वारा मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 को कोंडागांव जिले का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रक्षित केंद्र में परेड का अवलोकन किया और बेहतर टर्नआउट व अनुशासन के लिए अधिकारियों–कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किए।

- दरबार लगाकर जवानों से संवाद त्वरित समाधान के निर्देश

रक्षित केंद्र में आयोजित दरबार में पुलिस महानिरीक्षक ने अधिकारियों एवं जवानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार, शिकायतों के शीघ्र समाधान और जनता से मधुर संबंध स्थापित करने पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं रक्षित केंद्र की सभी शाखाओं का जायजा लिया गया। अभिलेखों की जांच, सीसीटीवी, मालखाना, सीसीटीएनएस, स्टोर के रख–रखाव तथा स्वच्छता पर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। अपराध नियंत्रण को लेकर भी विशेष समझाइश दी गई। इसके पश्चात पुलिस महानिरीक्षक ने पुनामार्गेमः पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल के अंतर्गत ग्राम देवखरगांव स्थित नक्सल पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने पुनर्वासित व्यक्तियों से संवाद कर प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शासकीय योजनाओं के लाभ की जानकारी ली।

35 पुनर्वासितों को स्मार्टफोन और प्रशिक्षण किट वितरित

निरीक्षण के दौरान 35 पुनर्वासित व्यक्तियों को स्मार्टफोन एवं प्रशिक्षण किट का वितरण किया गया। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि शासन की मंशा हिंसा का मार्ग छोड़ चुके लोगों को कौशल प्रशिक्षण व योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं।

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने रखी योजनाओं की जानकारी

इस अवसर पर कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना ने पुनर्वास केंद्र में संचालित प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी दी और बताया कि प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार से परिवार की आजीविका सुदृढ़ करने का लक्ष्य है। वहीं पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा ने विभिन्न ट्रेडों में दिए जा रहे कौशल प्रशिक्षण एवं योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया से अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान पुलिसिंग की गुणवत्ता, जन–संवेदनशीलता और पुनर्वास की दिशा में ठोस कदमों को लेकर सकारात्मक संदेश गया।

बाजार भाव से कहीं अधिक दर पर मक्का खरीदी

कोकोड़ी एथेनॉल प्लांट से किसानों की आय में बढ़ोतरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

माँ दंतेश्वरी मक्का सहकारी समिति कोण्डागांव द्वारा संचालित एथेनॉल प्लांट कोकोड़ी क्षेत्र के शेयरधारक किसानों के लिए आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। प्लांट से जुड़े किसानों को मक्का विक्रय पर बाजार मूल्य की तुलना में 700 से 800 रुपये प्रति क्विंटल तक अतिरिक्त लाभ मिल रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। एथेनॉल प्लांट द्वारा शेयरधारक किसानों से प्राथमिकता के आधार पर मक्का की खरीदी की जा रही है। वर्तमान में खुले बाजार में मक्का का भाव 1600 से 1700 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि एथेनॉल प्लांट कोकोड़ी द्वारा 2400 रुपये प्रति क्विंटल की आकर्षक दर पर मक्का खरीदा जा रहा है। इससे किसानों को सीधे तौर पर 800 रुपये प्रति क्विंटल तक का अतिरिक्त लाभ मिल रहा है।

- शेयरधारक किसानों को मक्का विक्रय पर मिल रहा 800 रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त लाभ

40 क्विंटल मक्का पर 32 हजार रुपये की अतिरिक्त आय

अतिरिक्त लाभ का सीधा असर किसानों की आमदनी पर दिखाई दे रहा है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई किसान 40 क्विंटल मक्का विक्रय करता है, तो उसे बाजार मूल्य की तुलना में लगभग 32 हजार रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है, जिससे खेती अधिक लाभकारी बन रही है।

203 किसानों को 1.45 करोड़ रुपये का भुगतान

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि अब तक 203 शेयरधारक किसानों को लगभग 1.45 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है और मक्का खरीदी की प्रक्रिया लगातार जारी है। इस मॉडल का उद्देश्य किसानों को सहकारी व्यवस्था से जोड़कर उनकी आर्थिक उन्नति सुनिश्चित करना है।

खेती के साथ बढ़े रोजगार के अवसर

एथेनॉल प्लांट के संचालन से न केवल किसानों को स्थायी बाजार और बेहतर मूल्य मिला है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित हुए हैं। इस पहल से कोण्डागांव जिले के कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और उत्साह का संचार हुआ है।

शिक्षिका ने जन्मदिन पर बच्चों के साथ बांटी खुशियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

जिला कोंडागांव अंतर्गत ग्राम बुनागांव के शासकीय जनपद प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका मोनिका साहू ने अपने जन्मदिवस को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए विद्यालय परिवार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, अभिभावकों एवं बच्चों के साथ न्योता भोजन का आयोजन किया। इस अवसर पर पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। शिक्षिका मोनिका साहू ने बच्चों के साथ केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में यह उनका पहला जन्मदिवस है और बच्चों का स्नेह व अभिभावकों का आशीर्वाद पाकर उन्हें अपार खुशी मिली है। न्योता भोजन के दौरान बच्चों को मटर–पनीर, खीर–पूड़ी एवं मिष्ठान परोसा गया। लजीज और पौष्टिक भोजन पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। अभिभावक माताओं ने भी कार्यक्रम में सहभागिता कर शिक्षिका को जन्मदिवस की बधाई दी और इस पहल के लिए आभार जताया। शिक्षक सूरज नेताम ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी न्योता भोजन योजना विद्यालयों में अत्यंत कारगर सिद्ध हो रही है। इससे बच्चों को पोषणयुक्त आहार मिल रहा है, कुपोषण में कमी आ रही है और विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति शत–प्रतिशत बनी रहती है। उन्होंने बताया कि इस सत्र में यह 16वां अवसर है जब विद्यालय में न्योता भोजन कराया गया।

- बुनागांव स्कूल में कराया गया स्नेहिल न्योता भोजन

अभिभावकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम में शिक्षक रूपेश कल्लो, शिक्षिका की माताजी अन्नपूर्णा साहू, बहन वैष्णवी साहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कमलेश्वरी नेताम, बालमती नेताम सहित बड़ी संख्या में अभिभावक माताएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरणादायी बताया। विद्यालय में मनाया गया यह स्नेहिल जन्मदिवस बच्चों के लिए यादगार बन गया और शिक्षा के साथ संवेदनशीलता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

पेज 3 के शेष

कोयलीबेड़ा मेढ़की नदी...

रुकावटों के कारण लोगों का उत्साह धीरे-धीरे फीका पड़ गया। आज स्थिति यह है कि लोग पुल निर्माण को लेकर शासन-प्रशासन और ठेकेदार दोनों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। यह परियोजना कांग्रेस शासनकाल में स्वीकृत हुई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि तत्कालीन सरकार और जनप्रतिनिधि इस परियोजना को लेकर गंभीरता दिखाते और अधिकारियों पर समय पर कार्य पूरा करने का दबाव बनाते, तो यह पुल दो साल पहले ही बन चुका होता। निगरानी और इच्छाशक्ति की कमी के कारण कार्य लगातार टलता रहा, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

पखांजूर आवासपारा...

किया जाएगा। इस अवसर पर लाल सिंह, गणपत नाग, मनोज हालदार, प्रीति हालदार, शिरगो बाई, दीनानाथ चुरेंद्र, कमलेश पटेल, शंकर सरकार, विश्वजीत समददार, वरुण कुंड, रतन सिंह सिवाना, बलीराम रजक सहित मुहल्लेवासियों की विशेष उपस्थिति और योगदान रहा।

हड़ताल के समापन...

सचिवों का शासकीयकरण किया जाए, सहायक शिक्षकों एवं सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों की तृतीय समयमान वेतनमान दिया जाए, नगरीय निकाय के कर्मचारियों को नियमित मसिक वेतन एवं समयबद्ध पदोन्नति दिया जाए, अनुकंपा नियुक्ति नियमों में 10 प्रतिशत सीलिंग में शिथिलिकरण किया जाए, प्रदेश में कैशलेस सुविधा लागू किया जाए, अर्जित अवकाश नगदीकरण 300 दिवस किया जाए, दैनिक, अनियमित, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की ठोस नीति बने व सभी विभागों में समानता लाते हुए सेवनिवृत आयु 65 वर्ष जैसे प्रमुख बिंदु शामिल हैं। रैली में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और सरकार व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की।

रैली के समापन पर कर्मचारियों ने एक ज्ञापन संबंधित अधिकारी को सौंपा और शीघ्र निर्णय की मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि हड़ताल के चलते कई विभागों का कामकाज प्रभावित हो रहा है, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह शासन-प्रशासन की होगी।

ढाबा संचालकों व...

की शिकायत प्राप्त होती है, तो पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाकर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कांकेर पुलिस की इस पहल को आमजन की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण के लिए एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

किसानों की समस्या...

नीलाक्षी विश्वास, निहार सरकार, गोपाल कुंडू, गौतम विश्वास, विकास मंडल, दिलीप विश्वास, प्रदीप, नेपाल राय, पुलिन राय, श्यामल विश्वास, गणेश चक्रवर्ती, ज्योतिष पाइक, कालू वैध, अशोक लकड़ा, राजेश नूरेटी, विनोद कुमेटी, गीता दुग्गा, सोमारू लकड़ा, नीलकंठ खलखो, दीपांकर, अरिंदा, अमूल्य माझी, विकास हालदार, मिंटू चक्रवर्ती, आशीष देवांगन, शंकर दास, विक्रम मल्लिक, रमेन सरकार, दीपांकर सरकार, रोहन विश्वास, शंकर शील, सूजन कविराज, सुभाष मंडल, दीजेन राय, ऋषभ राय, प्रेमा विश्वास, सुभाष मिस्त्री, सुभाष मंडल, बलवीर मिंज, प्रेमानंद मंडल, प्रदीप दास, अजय शील तथा किसान और कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

खेल, संस्कृति और सहभागिता से गांव में उमड़ा उत्साह

दाड़िया में वार्षिक उत्सव 2025 का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

जिला कोंडागांव अंतर्गत ग्राम दाड़िया के स्कूल मैदान में कर्मचारी अनुदान समिति एवं ग्रामीण युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में वार्षिक उत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया गया। ग्राम विकास में भागीदारी एक प्रयास कर्मचारियों की ध्येय वाक्य के साथ आयोजित इस उत्सव में खेल प्रतियोगिताओं और सां स्कृ ति क कार्यक्रमों ने पूरे गांव को उत्साह से भर दिया।

- कर्मचारियों और युवाओं की एकजुटता बनी ग्राम विकास की मिसाल

ग्रामीण खेल प्रतियें आंगनबाड़ी, प्राथमिक व माध्यमिक शाला के बच्चों से लेकर 70–85 वर्ष तक के बुजुगोंर् ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनभर चले आयोजनों में 50 व 100 मीटर दौड खो–खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, मटका फोड़ गोला फेंक, सुरेली कुर्सी और रस्सा खींच जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। 40–50 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं ने पारंपरिक साड़ी में खो–खो और कबड्डी खेलकर नारीशक्ति की सशक्त और प्रेरणादायी तस्वीर पेश की, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने बस्तरिया, छत्तीसगढ़ी एवं पारंपरिक लोकगीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। वहीं, कोंडागांव के जादूगर किसलय साहू के जादुई करतबों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

कर्मचारी अनुदान समिति की सराहनीय पहल

समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार शार्दुल ने बताया कि वर्ष 2016 से गठित कर्मचारी अनुदान समिति–दाड़िया के माध्यम से गांव के कर्मचारी मिलकर शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीब बच्चों की सहायता, अंग्रेजी भाषा शिक्षण, उच्च शिक्षा सहयोग और आपातकालीन स्वास्थ्य सहायता जैसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर कर रहे हैं।

विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेन्द्र सिंह ठाकुर, उमरगांव सरपंच रूपती मरकाम, उपसरपंच ललित मरकाम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य खेमचंद नेताम सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आईडीबीआई बैंक कोंडागांव एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा रायपुर के अधिकारियों ने भी सहभागिता निभाई और विजेताओं को पुरस्कृत किया।

दाड़िया बना जिले के लिए प्रेरणा

लगभग 115 परिवार और 600 की जनसंख्या वाले ग्राम दाड़िया से सेना, पुलिस, वन सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा, एनएमडीसी सहित विभिन्न क्षेत्रें में सैकड़ों अधिकारी–कर्मचारी देश–सेवा में जुटे हैं। वर्षांत पर गांव लौटकर ऐसे आयोजन कर वे एकता और ग्राम विकास की मिसाल पेश करते हैं। ग्रामीण युवा संगठन एवं कर्मचारी अनुदान समिति की यह पहल जिले में ग्राम दाड़िया को सामूहिक सहभागिता और विकास का आदर्श बनाती है।

खबर संक्षेप

हड़ताल के तीसरे दिन आत्मानंद संविदा शिक्षकों का मिला समर्थन

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला बस्तर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन का आयोजन मंडी परिसर में किया गया, जहां हड़ताल के तीसरे दिन कर्मचारियों एवं शिक्षकों की बड़ी और सशक्त उपस्थिति देखने को मिली। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी राहुल कुमार पाण्डेय ने संघ की ओर से धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को पूर्ण समर्थन प्रदान किया। पाण्डेय ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक टकराव के लिए नहीं, बल्कि न्याय, सम्मान और अधिकार की मांग को लेकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा दी गई मोदी की गारंटी तभी वास्तविक रूप से पूरी मानी जाएगी, जब जमीनी स्तर पर कार्यरत शिक्षक एवं कर्मचारियों की समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वामी आत्मानंद विद्यालयों को संचालित हुए 5 वर्ष से अधिक हो चुके हैं, लेकिन इस पूरी अवधि में संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों के वेतन में आज तक कोई वृद्धि नहीं की गई है, जबकि महंगाई, पारिवारिक जिम्मेदारियां और जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। इसके बावजूद शिक्षक एवं कर्मचारी पूरे समर्पण के साथ शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ अपनी 12 सूत्रीय मांगों को पिछले दो वर्षों से लगातार शासन एवं प्रशासन के समक्ष संवैधानिक और शालीन तरीके से रखता आ रहा है, लेकिन दुर्भाग्यवश अब तक उन मांगों पर कोई ठोस निर्णय या सकारात्मक पहल नहीं हुई है, जिससे शिक्षकों में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। धरना स्थल पर संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष हेमांगिनी पाण्डेय ने कहा कि संविदा शिक्षक वर्षों से असुरक्षा और अनिश्चित भविष्य के बीच कार्य कर रहे हैं, जबकि शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सरकार से मांग की कि संविदा शिक्षकों को सेवा सुरक्षा, स्थायित्व और सम्मान प्रदान किया इस धरना प्रदर्शन में बस्तर जिले के विभिन्न स्वामी आत्मानंद (सेजस) विद्यालयों से शिक्षक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विशेष रूप से सेजस अलनार, सेजस दरभा, सेजस करितगांव, सेजस चिंगपाल, सेजस किलेपाल सहित जिले के अन्य सेजस विद्यालयों से आए शिक्षक-कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता ने आंदोलन को मजबूती प्रदान की।

अवकाश के कारण 3 जनवरी की परीक्षा स्थगित

जगदलपुर। तीन जनवरी को मां शाकंभरी जयंती एवं छेरछरा को लेकर सार्वजनिक अवकाश के कारण उस दिन शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की समस्त कक्षाओं की सेमेस्टर परीक्षा स्थगित किया गया है। इस तारीख की परीक्षा अब 4 फरवरी को आयोजित होगी।

बाल-विवाह मुक्त समाज की ओर जैतालुर कोदई माता-मेला में चला जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

कलेक्टर संबंधित मिश्रा के निर्देशन में ग्राम पंचायत इटपाल के जैतालुर कोदई माता मेला परिसर में बाल-विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के माध्यम से बाल-विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों की जानकारी आमजन को दी गई तथा बाल अधिकारों, किशोर-किशोरियों के स्वस्थ भविष्य तथा कानूनन प्रावधानों से जनता को अवगत कराया गया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान बाल-विवाह प्रतिबंध अधिनियम की जानकारी, बाल विवाह के कानूनी परिणाम, बालिकाओं के शिक्षा-अधिकार, स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी लाभकारी योजनाओं की रूपरेखा तथा सरकारी प्रयासों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। साथ ही ग्रामीण समुदाय, अभिभावकों, महिला समूहों एवं युवाओं से बाल-विवाह न कराने एवं बाल विवाह की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को देने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि बाल-विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। अतः समाज के प्रत्येक वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह बाल-विवाह उन्मूलन में सहयोग प्रदान करे। मेले में आए ग्रामीणों, महिलाओं, किशोर-किशोरियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अभियान के प्रति सकारात्मक रुझान दर्शाते हुए बाल-विवाह मुक्त समाज के निर्माण हेतु पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया।

अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन ने किया हड़ताल

रैली निकाल किया जंगी प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपालपटनम

प्रदेश के सबसे बड़े संगठन अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के प्रांत संयोजक कमल वर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर के समस्त कर्मचारी 29 से 31 दिसंबर तक 3 दिवसीय निश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। बीजापुर में भी चारों विकासखंड में कर्मचारी हड़ताल पर हैं जिसके संबंध में मांग पत्र

■ मुख्यमंत्री के नाम 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा

ज्ञापन जिला संयोजक केडी राय, जिला अध्यक्ष मो. जाकिर खान, वन कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष विश्वनाथ मांझी, लिपिक संघ प्रमुख महेन्द्र राणा, मासाराम कड़ियाम, सचेता मिंज, वाहन चालक संघ प्रमुख कुर्रे, चतुर्थ वर्ग संघ के मोतीराम एवं अन्य साथियों के नेतृत्व में 11 सूत्रीय मांग पत्र मुख्यमंत्री छग शासन एवं मुख्य सचिव के नाम जिला कलेक्टर बीजापुर के माध्यम से संगठन के पदाधिकारियों सहित ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर नारायण प्रसाद गबेल को सौंपा। संघ द्वारा पूर्व में 18 जून 2025 को मोदी की गारंटी के नाम पर कर्मचारियों के लिए की गई घोषणा को लागू करने हेतु ध्यानाकर्षण ज्ञापन सौंपा गया था।

दूसरे चरण में 1 दिवसीय धरना प्रदर्शन सभी जिला मुख्यालय में किया गया लेकिन मांगों के सम्बन्ध में निराकरण नहीं होने के कारण क्षुब्ध होकर प्रदेश में पुनः 3 दिवसीय हड़ताल की घोषणा की एवं ध्यानाकर्षण ज्ञापन सौंपने का प्रांतीय पदाधिकारियों ने निर्णय लिया। जिसके परिपालन में भोपालपटनम में कर्मचारियों ने ब्लॉक संरक्षक ए सुधाकर, अध्यक्ष कमलसिंह कोर्राम, शेख मकबूल, संदीप राज पामभोई, एटला श्रीनिवास, मंडावी सर, नक्का कृष्णा, डी.देस के नेतृत्व में रैली निकालकर अनुविभागीय अधिकारी यशवंत नाग को सौंपा।

रैली में छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बीरा राजबाबू, संगठन सचिव मनोज कोंड्रा,राजस्व पटवारी संघ जिला अध्यक्ष शंकरलाल कतलाम, पंचायत सचिव संघ जिला अध्यक्ष डी.माधवराव, फेडरेशन की महिला उपाध्यक्ष रेशमा गोड्डे सम्मिलित हुए। रैली से पूर्व धरना स्थल पर जिले से पधारे नेतृत्व का उद्बोधन हुआ जहां पर कर्मचारी भवन निर्माण के लिए बीरा राजबाबू द्वारा 5 हजार, कतलाम द्वारा 2 हजार, रेशमा ने 1500 और माधव ने 1 हजार सहयोग राशि देने की मंच से घोषणा की। 11 सूत्रीय मांग में छत्तीसगढ़ राज्य के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्रीय कर्मचारियों की भांति देय तिथि से मंहगाई भत्ता तथा पेंशनरों को महंगाई राहत दिया जावे व डीए एरियर्स की राशि जीपीएफ खाते में समायोजित किया जावे। केंद्रीय कर्मचारियों एवं अविभाजित मध्यप्रदेश के कर्मचारियों की भांति सेवानिवृत्ति पर छत्तीसगढ़ शासन के कर्मचारियों को भी 240 दिन के स्थान पर 300 दिन का अवकाश नगदीकरण आदेश जारी किया जाए। संविदा, दैनिक, कार्यभारित, अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित किया जावे तथा मध्यप्रदेश की भांति सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किया जावे।

प्रदेश के सभी संवर्गों के अधिकारी कर्मचारियों को सेवाकाल में 4 स्तरीय वेतनमान संबंधी आदेश शीघ्र जारी किया जावे। प्रदेश के सहायक शिक्षकों को वेतन विसंगति दूर किया जावे। शिक्षक लिपिक सहित विभिन्न संवर्गों के वेतन विसंगति दूर करने हेतु गठित समिति का प्रतिवेदन यथाशीघ्र प्रकाशित कर लागू किया जावे। प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना करते हुए शिक्षक एलबी संवर्ग को समस्त सेवा का लाभ दिया जावे। उत्तर प्रदेश की भांति छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारियों एवं पेंशनरों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा एवं बोनस दिया जाए। प्रदेश के अनुकंपा नियुक्ति की 10 प्रतिशत सीलिंग समाप्त करते हुए अनुकम्पा नियुक्ति के सभी पदों पर अनुकंपा नियुक्ति किया जाए, कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति 65 वर्ष की जाए, भाजपा शासित अन्य राज्यों की भांति छत्तीसगढ़ में भी कैसलेस सुविधा दी जाए जैसे कर्मचारी हित के मुद्दे शामिल हैं। आगामी दिनों में उक्त मांगों पर साकारात्मक पहल नहीं होने की दशा में अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा होना संभावित है।

खुली नाली पर प्लेट लगाने का काम शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर के सामने खुली नाली को लेकर लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने नाली पर प्लेट लगाने का कार्य शुरू कर दिया है। खुली नाली के कारण आम नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को आवागमन में परेशानी न हो इस बात को ध्यान में रखते हुए त्वरित समाधान किया जा रहा है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी, आम नागरिक और राहगीर चाय-नाश्ता व भोजन के लिए आते-जाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से नाली पर प्लेट लगाना आवश्यक था। अब कार्य शुरू होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्लेट लगने के बाद दुर्घटना की आशंका पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए नागरिकों ने कहा कि समय रहते उठाया गया यह कदम किसी बड़ी दुर्घटना को टालने में मददगार साबित होगा। सीएमओ नगरपालिका बीजापुर बंशीलाल नुरेटी ने दिया बताया कार्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगाए ताकि क्षेत्र में सुरक्षित और सुगम आवागमन सुनिश्चित हो सके।

सड़क हादसा...

भानपुरी। राष्ट्रीय राजमार्ग में साल के आखरी दिन देर शाम भानपुरी चौक में तेज रफ्तार पिकअप और कार के टक्कर के बाद डिवाइडर से टकराकर पिकअप वाहन पलट गया।

मसीह समाज ने गरीबों को दिया क्रिसमस गिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

क्रिसमस का पर्व अत्यंत खुशी उत्साह धूमधाम से मसीह विश्वासियों के मनाने के पश्चात क्रिसमस के कार्यक्रम के अनुरूप क्रिसमस गिफ्ट का महापर्व कहलाता है और इस खुशी के अवसर पर गिफ्ट देने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

■ कंबल, स्वेटर, साड़ी, कपड़ा शीतऋतु को देखते हुए दिए गए

मसीह समाज ने भी अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए आज साल के अंत में चंदैया मेमोरियल मेथोडिस्ट एपिस्कोपल लाल चर्च की महिला समिति ने इस गिफ्ट की बागडोर को संभाला। इसमें पुवर फंड कमेटी के माध्यम से समिति अध्यक्षा कल्पना जान और उनके सदस्यों द्वारा मसीह समाज के गरीब, बेवा, अशक्त लाचार, विकलांग, अनाथ सदस्यों को यथा स्थिति उनकी आवश्यकता के अनुसार कंबल, स्वेटर, साड़ी, कपड़ा उनकी दैनिक आवश्यकता अनुरूप सामग्रियों को बांटकर उनके साथ क्रिसमस की खुशियों में शरीक करते हुए सामाजिक रूप से उनका भी सम्मान किया। उनके साथ बैठकर भोजन ग्रहण भी किया ताकि वे सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ आम आदमी का साथ उनको मिल रहा है यह भावना भी उनके मन में बनी रहे। इस अवसर पर प्रभु के सेवक प्रभु के दासों पॉस्टरगणों मसीह समाज के प्रमुख पदाधिकारी के साथ प्रमुख रूप से चर्च संचालन समिति अध्यक्ष प्रवीण लाल, बिशप एस सुना, रेव्ह. लॉरेंस दास, बस्तर एपिस्कोपल सोसायटी मिशन समिति के अध्यक्ष जोयल बेचक, छत्तीसगढ़ क्रिश्चियन फोरम के प्रदेश उपाध्यक्ष रत्नेश बेंजामिन भी शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रमिला सेप्ती ने किया, इसमें महिला समिति सोशल की पुवर फंड समिति सदस्या शिखा नादन, बिंदु जॉन, उमेश्वरी सिंह, सलीमा दानी, वेरोनिका दानी, एलिस अग्रवाल आदि सम्मिलित रहीं।

कलेक्टर ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

कलेक्टर संबित मिश्रा ने मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण एवं कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने 10 वर्ष या उससे अधिक समय से निष्क्रिय डेफ अकाउंट का शीघ्र निराकरण करते हुए संबंधित राशि शासन के खाते में जमा कराने तथा इसकी जानकारी जिला कोषालय अधिकारी को देने के निर्देश दिए।

बैठक में नियद नेल्लानार योजना की विस्तृत समीक्षा की गई। योजना अंतर्गत शामिल गांवों में सैचुरेशन शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे- राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक खाता, जाति प्रमाण पत्र आदि निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराते हुए पात्रतानुसार शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नक्सल पीड़ित परिवारों एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों को भी आवश्यक दस्तावेज सहजता से उपलब्ध कराने तथा शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने उज्ज्वला योजना, श्रम कार्ड, एग्रीस्टेक में पंजीयन तथा तेंदूपत्ता संग्राहकों के बैंक खाते खुलवाने हेतु आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त धान उपार्जन प्रक्रिया के अंतर्गत बारदाना की उपलब्धता, रकबा समर्पण, धान की राशि का अंतरण आदि विषयों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। उन्होंने केंद्र एवं राज्य शासन की सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रगति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे सहित जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वार्षिक परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन आज से

जगदलपुर। सत्र 2025-26 के वार्षिक परीक्षा के लिए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय ने ऑनलाईन आवेदन की तारीख तय कर दी है। इसके लिए विद्यार्थी एक जनवरी से 15 जनवरी तक विवि के वेबसाईट से परीक्षा फार्म ऑनलाइन कर सकते हैं। जारी सूचना के अनुसार स्नातक भाग दो के प्राइवेट व पूरक अंतिम अवसर, स्नातक भाग तीन के रेगुलर, प्राइवेट, भूतपूर्व व पूरक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के स्टूडेंट्स वार्षिक परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रिंट कॉपी आवश्यक दस्तावेज के साथ संबंधित कॉलेज में 16 जनवरी तक जमा लिए जाएंगे।

सेवानिवृत्त प्रधान पाठक की आत्मीय विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

अर्धवार्षिकी पूर्ण करने के पश्चात सेवानिवृत्त हुए प्रधान पाठक बलराम राना को जिला कार्यालय में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर संबित मिश्रा ने आत्मीय विदाई दी।

इस अवसर पर कलेक्टर मिश्रा ने राना के दीर्घकालीन एवं कुशलतापूर्ण सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके आगामी जीवन के लिए उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारी को पेंशन प्रमाण पत्र भी भेंट किया।

विदाई समारोह के दौरान सेवानिवृत्त प्रधान पाठक बलराम राना भावुक हो उठे और अपने सेवाकाल की स्मृतियों को साझा किया। कार्यक्रम में जिला कोषालय अधिकारी महावीर प्रसाद टंडन जिला शिक्षा अधिकारी लखनलाल धनेलिया सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद थे।

एक छोटे किसान की आत्मनिर्भरता की कहानी

मनरेगा कुएं के जल से बनी पीएम आवास की ईंटें

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

जनपद पंचायत भैरमगढ़ की ग्राम पंचायत रानीबोदली के निवासी सोमडू ऑडी, महात्मा गांधी नरेगा योजना के ऐसे हितग्राही हैं, जिनकी जीवन यात्रा सरकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की सशक्त मिसाल प्रस्तुत करती है।

सोमडू ऑडी एक छोटे किसान हैं, सीमित कृषि भूमि और सिंचाई सुविधा के अभाव में वे वर्षों तक केवल पारंपरिक खेती कर पाते थे। वर्षा पर निर्भर खेती के कारण वे एकमात्र धान की फसल तक सीमित थे, जिससे आय बहुत कम होती थी और परिवार की आवश्यकताएँ पूरी करना कठिन था।

मनरेगा से बदली किस्मत

फिर महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत उनके खेत में कुएँ का निर्माण स्वीकृत हुआ। लगभग 3 लाख रुपये की लागत से कुएँ का निर्माण पूर्ण किया गया। इस कार्य से गांव के 13 जॉब कार्डधारी परिवारों के 42 श्रमिकों को 645 मानव दिवस का रोजगार भी प्राप्त हुआ।

सिंचाई से आय के नए रास्ते

कुएँ के निर्माण के बाद सोमडू ऑडी के लगभग 2 एकड़ खेत में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो गई। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने धान की फसल के बाद सब्जी उत्पादन शुरू किया। इससे एक ओर उनके परिवार को पोषक हरी सब्जियाँ उपलब्ध हुईं वहीं अतिरिक्त सब्जियों के विक्रय से उन्हें लगभग 10 हजार रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई।

कुएँ के पानी से बना पक्का घर

सोमडू बताते हैं कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत वर्ष 2024-25 में आवास की स्वीकृति मिली। उन्होंने कुएँ के पानी का उपयोग कर घर पर ही लगभग 35 हजार ईंटों का निर्माण किया। इनमें से 17 हजार ईंटें बेचकर करीब 40 हजार रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित की जबकि शेष ईंटों का उपयोग वे अपने प्रधानमंत्री आवास निर्माण में कर रहे हैं। इस प्रकार उनका पक्का घर अब साकार रूप ले रहा है।

आत्मनिर्भरता की मिसाल

आज सोमडू ऑडी एक आत्मनिर्भर किसान बन चुके हैं। मनरेगा से निर्मित कुआँ न केवल उनकी खेती और आय का आधार बना, बल्कि इससे उनके परिवार का जीवन स्तर भी बेहतर हुआ। यह सफलता की कहानी स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि यदि सरकारी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन हो तो वे ग्रामीण जीवन में स्थायी परिवर्तन, सम्मानजनक आजीविका और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन सकती हैं।

खबर संक्षेप

विक्रेता अदा करेगा वाशिंग मशीन की अतिरिक्त ली गई राशि

जगदलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग जगदलपुर द्वारा मंगलवार को एक प्रकरण में आवेदक को वाशिंग मशीन विक्रेता द्वारा अतिरिक्त प्राप्त की गई भुगतान राशि 1675 रुपए एवं एक्सचेंज की गई पुरानी मशीन की कीमत 1500 रुपए तथा मानसिक पीड़ा हेतु 3000 पृथक से अदा करेगा। यह आदेश आयोग की अध्यक्ष सुजाता जसवाल, सदस्य आलोक कुमार दुबे और सीमा गोलछा की संयुक्त खंडपीठ ने जारी किया। फोरम सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर निवासी डॉ. एके पांडे द्वारा शहर के महावीर कम्युनिकेशन से एक ऑटोमेटिक वाशिंग मशीन क्रेडिट कार्ड ऑफर के अंतर्गत क्रय की गई थी। जिसका मूल्य आवेदक को कम बताया गया था पर किस्तों का निर्धारण होने पर आवेदक से अतिरिक्त धनराशि प्राप्त की गई थी। वाशिंग मशीन विक्रेता के पास एक्सचेंज की गई पुरानी वाशिंग मशीन की कीमत भी आवेदक को अदा नहीं की गई थी, जिससे क्षुब्ध होकर आवेदक द्वारा जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष शिकायत पेश की गई। इस पर सुनवाई करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग ने माना कि वाशिंग मशीन विक्रेता द्वारा वाशिंग मशीन की अतिरिक्त राशि वसूल कर तथा पुरानी वाशिंग मशीन की राशि आवेदक को प्रदान न कर सेवा में कमी एवं व्यावसायिक कदाचरण किया गया है। इस हेतु आवेदक कोई मानसिक पीड़ा हेतु 3000 की क्षतिपूर्ति पृथक से अदा किए जाने का आदेश पारित किया गया है।

हादसा : टूटे पोल सड़क पर पड़े रहे, 12 घंटे बाद पहुंची महकमे की टीम

परतापुर से कोयलीबेड़ा मार्ग पर पेड़ गिरने, पोल टूटे व बिजली रही बाधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

- पोल के टूटने से कई गांव की बिजली रही बाधित, ग्रामीण दिखे परेशान

माहला बीएसएफ कैंप से लगभग 500 मीटर की दूरी पर पेड़ के जलाए जाने से पेड़ नीचे से जलकर अचानक गिर गया, जिससे उसके पास से गुजर रही बिजली सप्लाई के तार पर गिरी, जिसके चलते तीन से चार पोल टूट गए और एक पोल सड़क के मध्य गिर गया, जिससे बीती रात से बड़े वाहनों का आना जाना बंद हो गया। बिजली विभाग को खबर किए जाने के बाद टीम 12 घंटे बाद पहुँची, जिससे इस क्षेत्र के कई गांव के लोग परेशान भी रहे।

इस मामले में उस मार्ग से गुजरने वाले ग्रामीणों से बात किया तो उन्होने बताया कि कुछ लोग वनाधिकार पट्टा पाने के लिए इस तरह से पेड़ को जलाकर जंगल को साफ कर रहे है। जंगल साफ होने के बाद अपना अधिपत्य बताकर वन अधिकार पट्टा बनवा लेंगे, इसे लेकर पेड़ में नीचे आग लगाकर इस तरह की घटना को अंजाम इस इलाके में दिया जा रहा है। वन विभाग और राजस्व विभाग इसे रोकने कतई गंभीर नहीं है। बीती रात को देर रात अचानक तेज आवाज के साथ पेड़ गिरा और बिजली की लाइनों को अपनी चपेट में ले लिया। तार टूटते ही पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। अंधेरे में डूबे गांवों के लोगों को रातभर परेशानी झेलनी पड़ी। घटना की सूचना बिजली विभाग को दी गई, लेकिन विभागीय टीम करीब 12 घंटे बाद मौके पर पहुंची। इस देरी को लेकर स्थानीय लोगों में रोष देखने को मिला। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर टीम पहुंच जाती तो बिजली आपूर्ति जल्दी बहाल हो सकती थी और सड़क पर गिरा पोल हटाकर यातायात भी सुचारु किया जा सकता था।

बिजली गुल रहने से आसपास के कई गांवों में पानी की सप्लाई, मोबाइल चार्जिंग, घरेलू कामकाज और छोटे व्यवसाय पूरी तरह प्रभावित रहे। खासकर बीमार और बुजुर्ग लोगों को रात के समय अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सड़क के बीच गिरे पोल के कारण बड़े वाहनों का आवागमन बंद हो गया, जिससे लंबी दूरी के वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से गुजरना पड़ा। हरिभूमि की टीम सुबह 10 बजे तक मौके पर थी, तब तक विजली विभाग की टीम नहीं पहुँची थी।

नववर्ष 2026 के स्वागत में दुर्गूकोंदल के पिकनिक स्थलों पर उत्सवी का माहौल

एक दिन पहले से अनेक स्थलों पर उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गुकोंदल

दुर्गुकोंदल अंचल में नववर्ष 2026 के आगमन को लेकर खासा उत्साह और उमंग देखने को मिला। वर्ष 2025 की विदाई और 2026 के स्वागत को लेकर युवाओं, परिवारों और समाज के विभिन्न वर्गों में खासा जोश नजर आया। नए साल का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग प्राकृतिक पिकनिक स्थलों की ओर निकले, जहां दिनभर मस्ती और उल्लास का माहौल बना रहा।

अंचल के प्रसिद्ध प्राकृतिक स्थल खंडीघाट में युवाओं और परिवारों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने पिकनिक का आनंद लिया, गीत-संगीत, हंसी-ठिठोली और आपसी मेलजोल के साथ नए साल का स्वागत किया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने अपने-अपने अंदाज में बीते वर्ष को विदाई दी और आने वाले साल के लिए नई उम्मीदें संजोईं। प्राकृतिक वातावरण में बिताया गया यह समय लोगों के लिए यादगार बन गया। वहीं दूसरी ओर नववर्ष के पावन अवसर पर बंजारी माता मंदिर, पल्लामारी में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह से ही भक्तजन माता के दर्शन के लिए पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने परिवार, समाज और देश की खुशहाली व मंगलकामना के लिए माता के चरणों में आशीर्वाद की याचना की। मंदिर परिसर पूरे दिन भक्ति और श्रद्धा के वातावरण से सराबोर रहा। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने भी लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। युवा उद्यमी दीपक सिन्हा ने कहा कि नववर्ष 2026 नई ऊर्जा और नए संकल्पों का वर्ष बने तथा युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हों। स्थानीय युवा नेता किशोर सिन्हा ने इसे सहयोग, प्रगति और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का वर्ष बताया। दुर्गुकोंदल के वन परिक्षेत्र कार्यालय के लेखापाल अजय कुमार अज्जू ने भी परिवार के साथ पिकनिक स्थल पर पहुंचकर 2025 को विदाई दी और 2026 का स्वागत किया।

बनसागर में बना शिवमय वातावरण, विधायक आशाराम ने युवाओं को दिए संस्कार का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बनसागर

ग्राम बनसागर में आयोजित श्री शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ साप्ताह का भव्य आयोजन 25 से 31 दिसंबर

- पं .गोविंद प्रसाद शुक्ल ने गणेश विवाह की कथा सुनाई

तक निरंतर श्रद्धा और भक्ति के साथ चल रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरा ग्राम शिवमय हो गया है। आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंचकर शिव महापुराण की कथा का रसपान कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो गया है।

यज्ञ के छठवें दिन की कथा में पूज्य पं. बी गोविंद प्रसाद शुक्ल ने अपने श्रीमुख से भगवान गणेश के जन्म एवं विवाह की भावपूर्ण कथा का वर्णन किया। कथा के दौरान पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। ग्राम की माताएं-बहनें इस पुण्य अवसर को अपने जीवन का सौभाग्य मानते हुए भावनाओं से अभिभूत नजर आईं। कथा स्थल पर हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो गया।

इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक आशाराम नेताम का आगमन भी हुआ। विधायक का ग्रामवासियों द्वारा पुष्पहार एवं पारंपरिक स्वागत के साथ भव्य अभिनंदन किया गया एवं कहा कि शिव महापुराण की कथा केवल एक धार्मिक कहानी नहीं है, बल्कि यह आत्म-कल्याण और पितरों की मोक्ष प्राप्ति का सशक्त माध्यम है। यह हमारी सनातन संस्कृति और परंपराओं की पहचान है, जिसे हमारे पूर्वजों ने सहेजकर रखा है। इससे हमारी आने वाली पीढ़ियों को संस्कार और सही दिशा मिलती है। विधायक ने युवाओं से आव्हान किया कि वे नशे, अपराध और गलत कार्यों से दूर रहकर ग्राम, समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं तथा सनातन संस्कृति से जुड़े रहें। अंत में उन्होंने शिव मंदिर प्रांगण में टीन शेड निर्माण हेतु 5 लाख रुपये की घोषणा कर श्रद्धालुओं में उत्साह भर दिया। साथ ही आयोजन के लिए कौशिक परिवार एवं विशेष रूप से श्री लखन कौशिक का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मुख्य यजमान लखनलाल कौशिक, सरपंच संदीप कुमार कुंजाम सहित सूरज लाल वट्टी, लक्ष्मण सिंह वट्टी, बनवाली नेताम, रैन लाल गजीर, रमेश कुमार साहू, हेमंत पटेल, देवेंद्र पटेल, उमेश कुमार निषाद, संतकुमार कुंजाम सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। यह आयोजन बनसागर में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा है।

खेल भावना व उत्साह के साथ नेवारखेड़ा में संकुल स्तरीय क्रीड़ा स्पर्धा का शुभारंभ

दुर्गुकोंदल। विकासखंड दुर्गुकोंदल के संकुल केंद्र कोदापाखा अंतर्गत ग्राम नेवारखेडा में संकुल स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हर्षोल्लास एवं खेल भावना के साथ किया गया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में अतिथियों ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास करते हैं, बल्कि मानसिक सुदृढ़ता, अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को हार-जीत से ऊपर उठकर खेल भावना से प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। क्षेत्रवासियों ने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए इसे यादगार बनाने का संकल्प लिया। यह तीन दिवसीय संकुल स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 31 दिसंबर से 02 जनवरी तक आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में संकुल के 9 प्राथमिक शालाओं एवं 4 माध्यमिक शालाओं के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। खेलों में 80 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक, चम्मच दौड़, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो एवं वॉलीबॉल जैसी विभिन्न स्पर्धाएं शामिल हैं। प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के बालक एवं बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक प्रतियोगिताएं रखी गई हैं। प्रतियोगिता का समापन 02 जनवरी को होगा, जिसमें मुख्य अतिथि विधायक सावित्री मंडावी उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम में सरपंच सोमनाथ नेताम, अनुपा कोणाची, तुलसी राम मामला, डीआर खरे, रामचंद्र दुग्गे, रामदुलार कोवाची, शिकारी राम कोवाची, सानू राम नेताम, मन्नू दीवान, दुर्गूराम वट्टी, बादराय कोवाची, रैनूराम मंडावी, बूजलाल गावडे, आयन ध्रुव, रामकिशोर कोवाची, रजोन कोवाची, कमल सिंह कोवाची, शिवलाल कोवाची, राजकुमार, सतूराम यादव सहित संकुल अंतर्गत शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

शिव महापुराण कथा का रामायण मंडली ने किया भक्तिपरक वर्णन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बनसागर

बनसागर में रात्रिकालीन धार्मिक आयोजन के अंतर्गत रामायण मंडली ग्राम चवाड़ द्वारा भगवान शिव महापुराण कथा का भावपूर्ण बखान किया गया। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम ने देर रात तक श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर किए रखा। कथा स्थल पर भजनों, चौपाइयों और संगीतमय प्रस्तुति के माध्यम से शिव महिमा का गुणगान किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया।

रामायण मंडली के रामविशाल दादरा ने शिव महापुराण की कथाओं का सरल एवं प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनके ओजस्वी वाणी और भावपूर्ण कथन ने श्रोताओं के हृदय को छू लिया। हारमोनियम पर मदन साहू तथा मंजीरा पर लोकनाथ कौशिक ने संगत कर कथा को संगीतमय बना दिया। अन्य मानस पुत्रों ने भी भजन, आरती और चौपाइयों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया। कथा के दौरान भगवान शिव की लीलाओं, भक्ति के महत्व और मानव जीवन में सदाचार व संयम के संदेश को प्रमुखता से रखा गया। श्रद्धालु पूरी तल्लीनता के साथ कथा श्रवण करते नजर आए।

हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से बीच-बीच में पंडाल गूंज उठता रहा। रात्रिकालीन होने के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालु उपस्थित रहे। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार के रात्रिकालीन धार्मिक आयोजन न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में आपसी एकता, संस्कार और धार्मिक चेतना को भी मजबूत करते हैं। रामायण मंडली की इस प्रस्तुति ने बनसागर में भक्ति, श्रद्धा और सांस्कृतिक परंपरा को नई ऊर्जा प्रदान की। कार्यक्रम के आयोजन में लखन कौशिक, बीआर नेताम, सूरज लाल वट्टी, रमेश कुमार साहू, रामाधार साहू, वेद कुमार साहू, लखन कुंजाम, रामकृष्ण पटेल, रैन लाल गंजीर, देवेंद्र पटेल, शिवा पटेल, श्रवण साहू, लता नेताम, गनेशिया कुंजाम, कौशल्या साहू, इंदु साहू, मंजू साहू, रीना साहू, भोजराज कौशिक, चमरू राम निषाद, उमेंद्र निषाद सहित अन्य ग्रामीणों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इसके अलावा उमा कौशिक, घनश्याम साहू, महाबती, उदय कुंजाम, ऊषा यादव सहित अनेक श्रद्धालु माताएं-बहनें भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। सभी ने मिलकर कथा का श्रवण किया और आयोजन को सफल बनाया।

मिलावटखोरों पर जुर्माना, लैब भेजे गए सैकड़ों नमूने

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर संभाग के नागरिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा फूटे चने में इंडस्ट्रियल कलर और औरामाइन ओ के उपयोग को लेकर जारी अलर्ट के बाद संभाग भर में हड़कंप मच गया है। इस हानिकारक औद्योगिक डाई के इस्तेमाल की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने बस्तर, कांकेर, नारायणपुर समेत सभी जिलों में बड़े व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर दबिश दी है। संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने विशेष जांच के लिए राज्य के बाहर प्रयोग शालाओं में भेजे हैं। बस्तर जिला मुख्यालय में अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा टीम ने न केवल फूटे चने के थोक व्यापारियों के यहां छापेमारी की, बल्कि पनीर, खोवा, फ्रूट केक, टोस्ट और चॉकलेट्स जैसे उत्पादों के भी 13 नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। विभाग की सख्ती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मोटा और पतले सेव के नमूने अमानक पाए जाने पर न्याय निर्णयन अधिकारी द्वारा संबंधित फर्मों पर 25-25 हजार रुपए का भारी जुर्माना भी लगाया गया है। इसके अलावा, मोती मलाई पनीर का नमूना फेल होने पर विधिवत विवेचना शुरू कर दी गई है, जिसे जल्द ही न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। संभाग के अन्य जिले कांकेर में भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। यहां खाद्य सुरक्षा विभाग ने फूटे चने के स्टॉक को जब्त कर लिया है और यह पता लगाया जा रहा है कि यह जहरीला चना कहां से आयात किया गया था। कांकेर से जब्त नमूनों को औरामाइन ओ की विशेष जांच के लिए राज्य के बाहर भेजा गया है। दिसंबर माह में कांकेर से कुल 10 नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं और 6 कारोबारियों को नमूने फेल होने पर नोटिस थमाया गया है।

नूतन वर्ष में हरियाली का संकल्प आमागढ़ स्कूल में सजी फुलवारी

दुर्गुकोंदल। नववर्ष 2025 के स्वागत से ठीक पहले आमागढ़ विद्यालय परिसर में हरियाली, उत्साह और जिम्मेदारी का अनोखा संगम देखने को मिला। विद्यालय ने धरती माँ को सजाने-संवारने का अभिनव संकल्प लेते हुए एक भव्य फुलवारी का निर्माण किया और उसकी सुरक्षा व देखभाल का जीवन-संकल्प भी लिया। इस अवसर पर पूरा विद्यालय परिसर विद्यार्थियों की चहक और शिक्षकों की प्रतिबद्धता से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के व्याख्याता ने शांति और समृद्धि के प्रतीक अशोक के पौधे का रोपण कर किया। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा केवल हरियाली नहीं, बल्कि आने वाले कल के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। यह फुलवारी आने वाले वर्षों में विद्यालय के सामूहिक संकल्पों का जीवंत प्रमाण बनेगी। इसके पश्चात एक कक्षा एक बगीचा की अनूठी परंपरा की शुरुआत की गई। कक्षा पहली से दसवीं तक प्रत्येक विद्यार्थी-शिक्षक दल को अलग-अलग भूखंड प्रदान किए गए। इन भूखंडों में विद्यार्थियों ने सुंदर पत्तों वाले पौधों के साथ सेवंती, गेंदा, गुलाब जैसे रंग-बिरंगे फूल तथा तुलसी, एलोवेरा, मण्डूकपर्णी जैसे औषधीय पौधे रोपे। बच्चों ने बड़े उत्साह से मिट्टी तैयार की, पौधे लगाए और उन्हें पानी देकर अपने-अपने बगीचे को सहेजा। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक साथ सामूहिक प्रतिज्ञा ली। हाथ आकाश की ओर उठे और एक स्वर में संकल्प गूंजा कि वे इन पौधों की नियमित देखभाल, सिंचाई और सुरक्षा करेंगे तथा इस हरियाली को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएंगे। पर्यावरण प्रेमी सबल दीवान ने इसे पुस्तकों से बाहर का सबसे महत्वपूर्ण पाठ बताते हुए कहा कि आज बोया गया यह बीज आगे चलकर पर्यावरण संरक्षण का विशाल वटवृक्ष बनेगा। कक्षा दसवीं की छात्रा धनेश्वरी और गौरी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आज रोपी गई यह खुशबू पूरे वर्ष विद्यालय की पहचान बनेगी और अब उनकी पढ़ाई हरियाली की छांव में होगी। इस हरित अभियान के सूत्रधार प्राचार्य उदेराम भुआर्य के मार्गदर्शन में शिक्षकों एवं समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। आमागढ़ विद्यालय का यह प्रयास केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं, बल्कि समाज को पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश देता है। यह हरित विद्यालय की दिशा में एक सार्थक कदम है, जो अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए भी प्रेरणा बनेगा।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर किया आंदोलन

सरकार की अनदेखी से तीन दिनों तक कलम बंद काम बंद पर रहे अधिकारी एवं कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ चारामा

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन से संबद्ध 125 मान्यता एवं गैर-मान्यता प्राप्त संगठनों ने प्रदेश सरकार की लगातार अनदेखी और उदासीन रवैये के विरोध में तृतीय चरण आंदोलन का 31 दिसंबर को समापन हुआ।

फेडरेशन के पदाधिकारियों ने कड़े शब्दों में कहा कि शासन को 16 जुलाई को ही प्रथम चरण आंदोलन के दौरान जिला कलेक्टरों के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा जा चुका है, जिसके बावजूद आज तक न तो किसी मांग का निराकरण किया गया और न ही कर्मचारियों से संवाद स्थापित किया गया। इससे स्पष्ट है कि सरकार कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेने के लिए तैयार नहीं है। फेडरेशन ने आरोप लगाया कि मोदी की गारंटी के नाम पर प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनरों के साथ छल किया जा रहा है। फेडरेशन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने शीघ्र निर्णय लेकर कर्मचारियों की मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की, तो यह आंदोलन अनिश्चितकालीन, प्रदेशव्यापी एवं उग्र रूप लेगा। इसके लिए उत्पन्न होने वाली समस्त प्रशासनिक अव्यवस्था की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। फेडरेशन ने जिला प्रशासन के माध्यम से पुनः मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव से दो टूक शब्दों में कहा है कि अब कर्मचारियों का सब्र जवाब दे चुका है और अधिकारों के लिए संघर्ष अंतिम निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुका है।

फेडरेशन के तीन दिवसीय हड़ताल में कृष्ण कुमार गंजीर, तरूण देवदास, अशोक गोटे, मनोज सिन्हा, कमलेश गावड़े, कृष्ण कुमार पम्मार, मोहन बेसरा, सूर्यकांत देवांगन, भानूराम गावड़े, कांतेश्वरी तेरा, सुनीता बाल्मिकी, रीना डेनियल, कथावती ठाकुर, अनुरूद्ध सिंहसार, लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा, वीरेन्द्र मेहता, लच्छूराम जैन, देवेन्द्र कश्यप, खिलेश्वरी पिद्दा, लक्ष्मण सिन्हा, विशेष कांगे, पूर्णिमा भुआर्य, सुनील सोनवानी, गोविंद साहू, दिलदार मरकाम, चंद्रहास साहू, हेमलाल साहू, महेश सिन्हा, गिरधारी सिन्हा समस्त पदाधिकारीगण शामिल रहे।

कलम बंद काम बंद आंदोलन में125 कर्मचारी संगठन हुए शामिल

पखांजूर। प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों ने मोदी की गारंटी के तहत अपने हक की मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा तीन दिनों तक खोले रखा। अंतिम दिन ज्ञापन सौंपकर विरोध जताया। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले प्रदेश के 125 मान्यता प्राप्त एवं गैर-मान्यता प्राप्त संगठन शामिल रहे। फेडरेशन के आव्हान पर 29 से 31 दिसंबर तक तीन दिवसीय कलम बंद काम बंद आंदोलन के तहत प्रदेश भर के कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहे। जिला स्तर पर धरना-प्रदर्शन के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर एवं एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। कर्मचारियों का कहना है कि बार-बार पत्राचार और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद शासन स्तर पर मांगों का निराकरण नहीं होने से भारी आक्रोश व्याप्त है। फेडरेशन ने स्पष्ट किया है कि सरकार अपने चुनावी वादों मोदी की गारंटी को पूरा करने में देरी कर रही है। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने दोटूक शब्दों में कहा है कि यदि सरकार ने इन मांगों पर तत्काल सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो कर्मचारी संगठन प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। आंदोलन के चलते तहसीलों और कलेक्ट्रेट में कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो रहा है, जिससे आम जनता को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

फेडरेशन ने ज्ञापन सौंपा दफ्तरों में कामकाज ठप

अंतागढ़। अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन द्वारा अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर अंतागढ़ में तीन दिवसीय निश्चितकालीन धरना एवं कलमबंद हड़ताल किया गया, जिसका 31 दिसंबर को अंतिम दिन रहा। आंदोलन के तहत फेडरेशन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एसडीएम कार्यालय अंतागढ़ में अतिरिक्त तहसीलदार अर्पण कुर्रे को ज्ञापन सौंपते हुए शासन से शीघ्र मांगों के निराकरण की मांग की।धरना एवं हड़ताल के चलते जिले के अधिकांश शासकीय कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित नहीं रहे, जिससे आम जनता से जुड़े कई शासकीय कार्य पूरी तरह ठप पड़े रहे। फेडरेशन ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन शांतिपूर्ण है, किंतु यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को आगे और तेज किया जाएगा।